आकाशवाणी

क्षेत्रीय समाचार

देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 25.09.2024

समय 1830

मुख्य समाचार :–

- अंत्योदय राशन कार्डधारकों के लिए राज्य सरकार ने निशुःल्क गैस सिलेण्डर योजना को वर्ष 2027 तक के लिए बढाया।

- खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रदेशभर में घी और मक्खन के नमूनों की जांच की जा रही है।

- मेक इन इंडिया पहल के दस वर्ष पूरे हुए, प्रधानमंत्री ने योजना की सराहना करते हुए हर संभव माध्यम से इस पहल को प्रोत्साहन देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी।

- पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से श्रद्धालुओं को कैलाश पर्वत के दर्शन कराएगा।

स्वीकृति

अंत्योदय राशन कार्डधारकों को अब राज्य में वर्ष 2027 तक निःशुल्क तीन गैस सिलेंडर मिलेंगे। राज्य सरकार ने अंत्योदय राशन कार्डधारकों को दिये जाने वाले निःशुल्क तीन गैस सिलेंडर योजना को वर्ष 2027 तक बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। वित्त मंत्री डॉक्टर प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा के तहत अंत्योदय परिवारों के के लिए निःशुल्क तीन गैस सिलेंडर देने संबंधी योजना वर्ष 2022–23 में लागू की गई थी, जो इस वर्ष मार्च माह में समाप्त हो गयी थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना को अति महत्वपूर्ण मानते हुए इसे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

सतर्कता

आंध्र प्रदेश के श्री तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावटी घी की घटना के बाद प्रदेश में भी खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सतर्क हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत के निर्देश पर प्रदेशभर में अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों से घी और मक्खन के नमूने लेकर जांच के लिए रुद्रपुर स्थित प्रयोगशाला में भेजे जा रहे हैं। खाद्य विभाग के अपर आयुक्त ताजबर जग्गी ने कहा कि ये अभियान मण्डल के उपायुक्त और जिला स्तरीय अधिकारियों के नेतृत्व में चलाया जा रहा है।

बैठक आयोजन

बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय की अध्यक्षता में समिति के अधीनस्थ सभी मंदिरों की भोग–प्रसाद व्यवस्था की शुद्धता को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों और मंदिर समिति के अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में धामों और मंदिरों में प्रसाद की गुणवत्ता, शुद्धता व प्रयोग में लायी जाने वाली खाद्य सामग्री

की गुणवत्ता, रख–रखाव, क्रय–विक्रय सहित भण्डारण के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के लिए मन्दिर समिति द्वारा प्रसाद में सूखे पदार्थों का उपयोग किया जाता है।

बैठक

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सेंट जोसेफ एकेडमी, देहरादून के भूमि और पार्किंग प्रकरण पर सचिव आवास, जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून तथा एमडीडीए के साथ सचिवालय में बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया है कि सेंट जोसेफ एकेडमी से भूमि वापस नहीं ली जाएगी। इसके साथ ही मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि अकादमी द्वारा विद्यार्थियों और अभिभावकों के वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था विद्यालय परिसर के भीतर ही की जाएगी, ताकि मुख्य सड़क पर लोगों को ट्रैफिक की समस्या का सामना ना करना पड़े। मुख्य सचिव ने आवास विभाग को सेंट जोसेफ एकेडमी के लीज नवीनीकरण पर नियमानुसार कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं।

गति सीमा

सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए देहरादून–कर्णप्रयाग मार्ग पर वाहनों की गतिसीमा तय की जाएगी। सड़क यातायात शिक्षा संस्थान (आईआरटीई) फरीदाबाद ने सड़क का सर्वे कर परिवहन मुख्यालय को रिपोर्ट सौंपी है। अब इसी आधार पर प्रदेश की अन्य सड़कों पर भी गति सीमा तय की जाएगी। सड़क दुर्घटनओं पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन मुख्यालय ने आईआरटीई फरीदाबाद को ट्रायल के तौर पर सड़क के अध्ययन और गति सीमा तय करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। संस्थान के विशेषज्ञों ने ट्रैफिक दबाव, सड़क की चौड़ाई, ढलान, सुरक्षा उपायों, पूर्व के हादसों पर अध्ययन किया। अध्ययन के बाद देहरादून–कर्णप्रयाग मार्ग पर गतिसीमा 25 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है। दून से ऋषिकेश के बीच अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिघण्टा की गतिसीमा रखी जा सकती है।

मेक इन इण्डिया दस वर्ष

केन्द्र सरकार की प्रमुख पहल मेक इन इंडिया को आज 10 साल पूरे हो गए हैं। इस अवधि के दौरान सरकार ने कई प्रमुख योजनाएं लागू की हैं। इन कार्यों से भारत के विनिर्माण परिदृश्य में क्रांति आई है और देश की आर्थिक व्यवस्था मजबूत हुई है।

मेक इन इंडिया पहल ने भारत के मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर को एक नई ताकत दी है। इस पहल का ही नतीजा है कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश बन गया है, इससे मोबाइल फोन के आयात में लगभग 85 प्रतिशत की गिरावट आई है। पिछले एक दशक में, भारत ने हर घंटे एक स्टार्टअप शुरू किया है जिससे लगभग 15 लाख नौकरियां पैदा हुई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया पहल के दस वर्ष पूरे होने का स्वागत किया है। श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेक इन इंडिया भारत को विनिर्माण और नवाचार शक्ति केंद्र बनाने के एक सौ चालीस करोड भारतीयों के सामूहिक संकल्प का उदाहरण है। उन्होंने पिछले एक दशक से इस आंदोलन को सफल बनाने में अथक प्रयास कर रहे सभी लोगों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने हर संभव माध्यम से मेक इन इंडिया को प्रोत्साहन देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने कहा कि सुधारों के लिए प्रयास जारी रहेंगे और साथ मिलकर हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

कैलाश पर्वत दर्शन

जल्द ही अब भारत से ही तिब्बत में स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन हो सकेंगे। पिथौरागढ़ जिला प्रशासन और कुमाऊं मण्डल विकास निगम जिले के ओल्ड लिपुलेख की पहाड़ियों से कैलाश दर्शन यात्रा की तैयारियों में जुट गए हैं। पिथौरागढ़ के जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चंद्र आर्य ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर अक्टूबर माह से कैलाश दर्शन यात्रा की शुरुआत की जाएगी। इसके तहत यात्री एम. आई–17 हेलीकॉप्टर के जरिए पिथौरागढ़ से गुंजी पहुंचेंगे और गुंजी से यात्री वाहन के जरिए ओल्ड लिपुपास जाएंगे ,जहां 200 मीटर ट्रैक के बाद 17 हजार 500 फीट की ऊंचाई से कैलाश के भव्य दर्शन होंगे। जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि फिलहाल इस सीजन में 15–15 यात्रियों के चार दलों को यह यात्रा कराई जाएगी।

मौसम

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज दोपहर बाद हल्की से मध्यम बारिश हुई। राज्य में कहीं–कहीं मूसलाधार बारिश की ख़बर है। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले दो दिन राज्य के अनेक हिस्सों में बारिश का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार बारिश से अगले दो दिनों में तापमान में चार से छह डिग्री सेल्सियस तक कमी आ सकती है।

स्वच्छता ही सेवा विषय

स्वच्छता ही सेवा विषय पर पीएम श्री बालिका इंटर कॉलेज, हल्द्वानी में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। केंद्रीय संचार ब्यूरो, नैनीताल के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नीरज भट्ट ने बताया कि सरकार के निर्देश पर इकाई अलग–अलग संस्थाओं के साथ मिलकर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाते हुए पौधरोपण भी किया जाएगा।

विचार विमर्श

बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन के साथ बैठक कर ज्योतिर्मठ आपदा को लेकर विचार–विमर्श किया। सचिवालय में हुई बैठक में अजेंद्र अजय ने कहा कि आपदा प्रभावितों तथा स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भू–धंसाव वाले क्षेत्र में सुरक्षात्मक कार्यों और प्रभावितों की समस्याओं का समाधान करने के लिए तेजी से काम करने की जरूरत है। सचिव, आपदा प्रबंधन ने बताया, कि ज्योतिर्मठ नगर की सुरक्षा के लिए शासन गंभीर है। विस्थापितों के पुनर्वास को लेकर लोगों से बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने का प्रयास किया जा रहा है।